INDIAN SCHOOL SOHAR SET-2

FORMATIVE ASSESSMENT -2

विषयः हिंदी (पाठ्यक्रम - ब)

कक्षा : IX **समय : 45 मिनट**

दिनांक : 01 : 09 :2013 **पूर्णांक : 25**

निर्देश : **1** इस प्रश्नपत्र में कुल **8** प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2 प्रश्न का उत्तर लिखने से पहले उसका क्रमांक अवश्य लिखा जाए।

प्रश्न **1-** अपठित गद्यांश

मानव जीवन में आत्मसम्मान का अत्यधिक महत्व है।आत्मसम्मान में अपने व्यक्तित्व को अधिकाधिक सशक्त एवं प्रतिष्ठित बनाने की भावना निहित होती है।इसमें शक्ति, साहस, उत्साह आदि गुणों का जन्म होता है जो जीवन की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।आत्मसम्मान की भावना से पूर्ण व्यक्ति संघर्षों की परवाह नहीं करता और हर विषम परिस्थिति से टक्कर लेता है।ऐसे व्यक्ति जीवन में पराजय का मुँह नहीं देखते तथा निरन्तर यश की प्राप्ति करते हैं। आत्मसम्मानी व्यक्ति धर्म, न्याय, सत्य और नीति के पथ का अनुगमन करता है उसके जीवन में ही सच्चे सुख और शांति का निवास होता है।परोपकार, जनसेवा जैसे कार्यों में उसकी रुचि होती है।लोकप्रियता और सामाजिक प्रष्तिठा उसे सहज ही प्राप्त होती है।ऐसे व्यक्ति में अपने राष्ट्र के प्रति सच्ची निष्ठा होती है तथा मातृभूमि की उन्नति के लिए वह अपने प्राणों को उत्सर्ग करने में सुख की अनुभूति करता है।चूँकि आत्मसम्मानी व्यक्ति अपने अथवा दूसरों की आत्मा का हनन नहीं करता इसीलिए वह ईर्ष्या द्वेष जैसी भावनाओं से मुक्त होकर मानव मात्र को अपने परिवार का अंग मानता है।उसके आत्मसम्मानी में स्वार्थ, लोभ और अहंकार का भाव नहीं होता। निश्चल हृदय होने के कारण वह आसुरी प्रवृत्तियों से सर्वथा मुक्त होता है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढकर सही विकल्प को चुनकर लिखिए :

(क) आत्मसम्मानी व्यक्ति को क्या प्राप्त होता है ? (1)

(i) धन (ii) परोपकार
(iii) यश (iv) अपनत्व

(ख) देश के विकास के लिए आत्मसम्मानी व्यक्ति क्या करता है ? (1)

(i) अपना सुख त्याग देता है (ii) अपने तथा पराएपन की भावना त्याग देता है ।
(iii) धन देता है (iv) अपना जीवन न्योछावर कर देता हैं

(ग) हमारे जीवन के विकास के रास्ते को मजबूती प्रदान करता है- (1)

(i) घमंड, लालच, कुटिलता (ii) शक्ति, साहस, उत्साह
(iii) विजय, न्याय, सत्य (iv) स्वार्थ, लोभ और अहंकार

(घ) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक निम्नलिखित में से क्या है □ □1□

(i) आत्मसम्मानी व्यक्ति (ii) मानव जीवन

(iii) आत्मसम्मान और व्यक्तित्व (iv) आत्मसम्मान का महत्त्व

(ङ) 'यश' का विलोम है- □1□

(i) सम्मान (ii) अपयश

(iii) कीर्ति (iv) प्रतिष्ठा

प्रश्न 2- वर्ण - विच्छेद कीजिए - सामीप्य , गृहस्थ □2□

प्रश्न 3- निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग प्रत्यय अलर्ग अलग कीजिए॑ □2□

स्वाभिमानी □ अशोभनीय

प्रश्न 4 – (क) संधि॑ विच्छेद करो – महोदधि □परीक्षा □2□

(ख) संधि॑ करो – स्व + इच्छा □1□

प्रश्न 5 - मक्खनपुर पढ़ने जाने वाली टोली रास्ते में पड़ने वाले कुए□में ढेला क्यों फेंकती थी □ □3□

प्रश्न 6 - चढ़ाई के समय एवरेस्ट की चोटी की स्थिति कैसी थी □ □3□

प्रश्न 7 - आदमी के तीन सकारात्मक और तीन नकारात्मक रूपों को लिखिए। □3□

प्रश्न 8 -दिए गए संकेत विन्दुओं के आधार पर लगभग 80 शब्दों में किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखिए□ □4□

□क□ समाचार॑ पत्रों का महत्व

1 ज्ञान के क्षेत्र में कांति **2** बुराइयों का पर्दाफाश **3** झूठी खबरों □अश्लील चित्रों □विज्ञापनों का सहारा

4 समाज का मार्गदर्शक

□ख□ प्लास्टिक की दुनिया

1 कृत्रिम पदार्थ **2** गुण **3** क्षेत्र **4** दोष ।

---oOo---